

नकबा से “विध्वंस चरण” तक: लाभ, विस्थापन और गाजा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था

फिलिस्तीनियों का विस्थापन एक सुरक्षा आघात के प्रति एक प्रासंगिक प्रतिक्रिया नहीं है। यह एक दीर्घकालिक औपनिवेशिक परियोजना है, जो विचारधारा, प्रशासनिक संरचना और आर्थिक प्रोत्साहनों द्वारा आकारित है। अक्टूबर 2023 ने एक सामरिक अवसर प्रदान किया — एक बहाना — इस परियोजना को तेज करने के लिए। अब प्रचलित बयानबाजी और योजनाएं (उपनिवेशी गतिशीलता, लिकुड पार्टी का संगठन, मंत्रिगण के बयान, और अमेरिकी निवेशकों के प्रस्ताव) सबसे अच्छे रूप में सदियों पुराने विस्थापन उद्देश्यों का आधुनिक पूँजीवादी प्रोत्साहनों पर परिचालन मैपिंग के रूप में समझी जाती हैं। जैसा कि कार्ल मार्क्स ने कैपिटल में देखा, जब लाभ की संभावना पर्याप्त रूप से उच्च होती है, तो पूँजी साहसी हो जाती है — यहां तक कि कानून और नैतिकता को जोखिम में डालने के लिए भी तैयार हो जाती है ताकि रिटर्न प्राप्त हो सके। वर्तमान गाजा कार्यक्रम बड़े पैमाने पर हिंसा को एक बाजार रणनीति के साथ जोड़ता है, ठीक इसलिए क्योंकि अपेक्षित रिटर्न (समुद्र तट पर रियल एस्टेट, तकनीकी समूह, और अपतटीय गैस) विशाल हैं।

आधारभूत इरादा: शुरुआत से विस्थापन (1930-1948)

फिलिस्तीनियों को विस्थापित करने की योजना एक बाद का विचार नहीं है; यह उपनिवेशी परियोजना के वैचारिक और राजनीतिक आधारों में निहित है। समकालीन अभिलेखीय बयानों से प्रमुख अभिनेताओं की इच्छित तर्क स्पष्ट होती है: भूमि को साफ करें, वापसी को रोकें, और संपत्ति को उपनिवेशी आबादी में स्थानांतरित करें। नकबा (1948 का विनाशकारी विस्थापन) उस तर्क का पहला व्यापक परिचालन था।

“हमें अरबों को निष्कासित करना होगा और उनकी जगह लेनी होगी... अगर हमें बल प्रयोग करना पड़े... हमारे पास बल उपलब्ध है। [फिलिस्तीनियों] का अनिवार्य स्थानांतरण... हमें वह दे सकता है जो हमारे पास कभी नहीं था।” - डेविड बेन-गुरियन, 5 अक्टूबर 1937, अपने बेटे को पत्र

“दोनों लोगों के लिए कोई जगह नहीं है... एक भी गांव, एक भी जनजाति नहीं छोड़नी चाहिए। अरबों को जाना होगा, लेकिन इसके लिए एक उपयुक्त अवसर की आवश्यकता है, जैसे कि युद्ध।” - योसेन वीट्ज़, 20 दिसंबर 1940, यहूदी राष्ट्रीय कोष के भूमि विभाग के निदेशक

“हमें [फिलिस्तीनी गांवों] को मिटा देना चाहिए।” - डेविड बेन-गुरियन, 1948, नकबा के दौरान सार्वजनिक संबोधन

ये ऐतिहासिक बयान — स्थानांतरण, युद्ध को “उपयुक्त अवसर” के रूप में उपयोग करने, गांवों को मिटाने की स्पष्ट मांग — एक कारणात्मक उत्पत्ति स्थापित करते हैं: विस्थापन इरादतन था, न कि केवल युद्धकालीन परिस्थितियों का संयोग।

2. संस्थागतकरण: कब्जा, बस्तियां, और कानूनी संरचना (1967-2000)

1967 के बाद, विस्थापन को संस्थागत रूप दिया गया:

- कानूनी और प्रशासनिक उपायों ने भूमि अधिग्रहण, बस्ती निर्माण, और जनसांख्यिकीय इंजीनियरिंग को स्थापित किया।
- नियोजन और बुनियादी ढांचा — सड़कें, बायपास, बस्ती समूह — ने फिलिस्तीनी संप्रभुता और क्षेत्रीय सातत्य को धीरे-धीरे और अधिक असंभाव्य बना दिया।
- संसाधन नियंत्रण — पानी, भूमि, और ऊर्जा — न केवल शासन, बल्कि बहिष्कार का एक साधन बन गया।

इस चरण ने वैचारिक इरादे को टिकाऊ संरचनाओं में बदल दिया: कानून, नौकरशाही, और निर्मित पर्यावरण जो उपनिवेशी स्थायित्व और आर्थिक निष्कर्षण को प्राथमिकता देते थे।

आर्थिक गला घोटना: गाजा नाकाबंदी और संसाधन निषेध (2007-2023)

गाजा की नाकाबंदी और सख्त विकास सीमाओं का दोहरा प्रभाव था: इन्हें सुरक्षा उपायों के रूप में प्रस्तुत किया गया, लेकिन कार्यात्मक रूप से इन्होंने गाजा की अर्थव्यवस्था को स्थिर कर दिया और बुनियादी ढांचे और संसाधन विकास (विशेष रूप से गाजा मरीन) को रोका। 2000 में खोजा गया अपतटीय गैस क्षेत्र — जिसका अनुमान लगभग 1 Tcf है — फिलिस्तीनियों के लिए एक संभावित संप्रभु संपत्ति थी; इसके बजाय, इसे अवास्तविक छोड़ दिया गया, जिससे यह एक अव्यक्त पुरस्कार बन गया।

इस जानबूझकर किए गए अल्पविकास ने बाद की घटनाओं के लिए दो कारणात्मक रूप से प्रासंगिक चीजें कीं:

1. इसने आबादी को आर्थिक रूप से कमजोर रखा, जिससे विस्थापन अधिक संभव हो गया।
2. इसने संसाधन और समुद्र तट को कम उपयोग किए गए संपत्तियों के रूप में संरक्षित किया, जो भविष्य के निवेशकों के लिए आकर्षक थे, जब राजनीतिक परिस्थितियां अनुमति देती थीं।

अक्टूबर 2023: सामरिक अवसर, न कि उत्पत्ति

अक्टूबर 2023 ने एक व्यापक रूप से दृश्यमान बहाना प्रदान किया: एक सुरक्षा संकट जिसका उपयोग बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई, सामूहिक विस्थापन, और असाधारण विनाश को उचित ठहराने के लिए किया जा सकता था। लेकिन महत्वपूर्ण कारणात्मक बिंदु यह है कि गाजा को निर्जन बनाने की योजना पहले से ही तैयार की गई थी; जो बदला वह इसे बड़े पैमाने पर लागू करने की राजनीतिक और परिचालन संभावना थी।

अनुक्रम कारणात्मक और अनुमानित है:

- लंबे समय से चली आ रही मंशा और संस्थागत उपकरण → बड़े पैमाने पर संचालन करने की संरचनात्मक क्षमता;
- एक उत्प्रेरक घटना (युद्ध) → बढ़ाने के लिए राजनीतिक कवर;
- व्यापक विनाश → निर्जनता और विस्थापन की स्थिति;
- पुनर्विकास के लिए सार्वजनिक और निजी नियोजन → मुद्रीकरण चरण।

विनाश से पुनर्विकास तक: इरादे के सबूत के रूप में सार्वजनिक बयान

हिंसा से बाजारीकरण में परिवर्तन को राजनीतिक अभिनेताओं और व्यावसायिक कल्पनाओं द्वारा खुलकर संकेत दिया गया है। ये बयान हाशिए पर नहीं हैं; ये विस्थापन पर लाभ के उद्देश्य का एक सार्वजनिक मैपिंग बनाते हैं।

प्रमुख सार्वजनिक अभिव्यक्तियों में शामिल हैं:

- **लिकुड फ्लायर (अक्टूबर 2024):** “गाजा में बस्ती की तैयारी ... गाजा हमारा है। हमेशा के लिए!” — एक पार्टी-स्तरीय जुटाव नारा जो एक शासक पार्टी को गाजा में उपनिवेशी विस्तार के साथ जोड़ता है।
- **इतमर बेन-गवीर (अक्टूबर 2024):** “हम भूमि के मालिक हैं” — प्रत्यक्ष स्वामित्व बयानबाजी जो स्थानांतरण को वैध बनाती है।
- **बेजालेल स्मोटरिच (17 सितंबर 2025):** गाजा एक “रियल एस्टेट बोनान्जा” है, जिसमें “हम भूमि के प्रतिशत कैसे बांटेंगे” पर बातचीत हो रही है। यह विध्वंस को लूट के बंटवारे के लिए अग्रदूत के रूप में प्रस्तुत करता है।
- **अमेरिकी प्रस्ताव और बयान (2024-2025):** जारेड कुशनर के “बहुत मूल्यवान” समुद्र तट टिप्पणियों से लेकर एक “अंतरराष्ट्रीय रियल एस्टेट ट्रस्ट” के लिए प्रचारित विचारों तक, और राष्ट्रपति ट्रम्प की फरवरी 2025 की सलाह कि अमेरिका “गाजा को अपने कब्जे में ले,” अब बातचीत में अंतरराष्ट्रीय पूंजी और निजी ट्रस्टीशिप शामिल हैं। एआई “स्मार्ट सिटी” और टेस्ला-शैली के गिगाफैक्ट्री के लिए योजनाएं निवेशक कथानक को पूरा करती हैं।

ये बयान कानूनी और कारणात्मक रूप से महत्वपूर्ण हैं: वे इरादे को दस्तावेज करते हैं, लाभार्थियों को मैप करते हैं, और अँपरेशन को एक तदर्थ युद्धकालीन कृत्य से एक जानबूझकर नियोजित आर्थिक परिवर्तन में कम करते हैं।

मार्क्स का अवलोकन और पूंजी का व्यवहार

पूंजी अशांति और संघर्ष से भागती है और इसका स्वभाव डरपोक है। यह पूरी तरह सच है, लेकिन पूरी सच्चाई नहीं है। पूंजी को लाभ की अनुपस्थिति या बहुत कम लाभ का डर है, जैसे प्रकृति को निर्वात का डर है। उपयुक्त लाभ के साथ, पूंजी साहसी हो जाती है। दस प्रतिशत निश्चित, और आप इसे कहीं भी लागू कर सकते हैं; बीस प्रतिशत, यह जीवंत हो जाता है; पचास प्रतिशत, सकारात्मक रूप से साहसी; सौ प्रतिशत पर यह सभी मानव कानूनों को अपने पैरों तले रौंद देता है; तीन सौ प्रतिशत पर, ऐसा कोई अपराध नहीं है जिसे वह जोखिम में न डाले, यहां तक कि फांसी के जोखिम पर भी। यदि अशांति और संघर्ष लाभ लाते हैं, तो यह दोनों को प्रोत्साहित करेगा। सबूत: तस्करी और दास व्यापार। - कार्ल मार्क्स, कैपिटल, 1867

मार्क्स का उपरोक्त उद्धृत अवलोकन बताता है कि जब लाभ विशाल होता है, तो ऐसे परियोजनाओं की अपेक्षा क्यों की जानी चाहिए। पूंजी जोखिम के प्रति संवेदनशील है: कम रिटर्न सावधानी को जन्म देते हैं; उच्च रिटर्न साहस को जन्म देते हैं। मार्क्स का वृद्धि स्तर — 10%, 20%, 50%, 100%, 300% — यह समझने की एक विधि है कि बढ़ती लाभ अपेक्षाएं कैसे कानूनी और नैतिक बाधाओं को नष्ट कर सकती हैं। जब एक निवेशक समुद्र तट के पुनर्विकास, प्रौद्योगिकी समूहों, और एकाधिकृत गैस निष्कर्षण से विशाल किराए की भविष्यवाणी कर सकता है, तो नैतिक गणना बदल जाती है: कानूनी निषेधों को प्रबंधनीय लेनदेन लागतों के रूप में पुनर्जनन किया जाता है, न कि पूर्ण बाधाओं के रूप में।

यहां लागू:

- गाजा का समुद्र तट प्लस एक “स्मार्ट सिटी” प्रीमियम प्लस एक रणनीतिक गैस क्षेत्र एक विशाल लाभ वेक्टर बनाता है।
- यह वेक्टर राजनीतिक अभिनेताओं को विनाश को निवेश के अवसर में बदलने का प्रेरणा प्रदान करता है।
- जहां राजनीतिक और कानूनी दण्डमुक्ति मौजूद है, वहां मार्क्सवादी प्रवृत्ति कि पूंजी “अशांति और संघर्ष को प्रोत्साहित करेगी” जब यह लाभकारी हो, नीति का एक व्यावहारिक चालक बन जाती है, न कि केवल एक विश्लेषणात्मक सूक्ष्म।

वित्तीय यांत्रिकी: निवेशक क्यों रुचि लेंगे

सार्वजनिक रूप से चर्चित निवेशक मामला ठीक-ठीक क्लासिक पूंजी गणना पर मैप करता है:

- कमी प्रीमियम:** क्षेत्र में भूमध्यसागरीय समुद्र तट दुर्लभ है — कमी प्रति वर्ग मीटर मूल्यों को बढ़ाती है।
- टेक/एआई समूह मूल्यांकन:** “स्मार्ट सिटी” और टेक-हब ब्रांडिंग भूमि मूल्यों को घातांकीय रूप से बढ़ा सकता है और संपर्भु और निजी फंडर्स को आकर्षित कर सकता है।
- औद्योगिक लंगर:** एक गिगाफैक्ट्री या इलेक्ट्रिक वाहन/बैटरी संयंत्र औद्योगिक मांग, आपूर्ति श्रृंखलाएं, और आर्थिक गुणक बनाता है, जो संपत्तियों के मूल्य को और बढ़ाता है।
- ऊर्जा रिटर्न:** गैस निर्यात राजस्व और क्षेत्रीय ऊर्जा बाजारों में रणनीतिक लाभ एक तत्काल राजस्व धारा जोड़ता है।

ये संयुक्त रिटर्न असाधारण जोखिम लेने को तर्कसंगत बना सकते हैं, जिसमें कानूनी जोखिम भी शामिल है, अगर राजनीतिक कवर और वित्तपोषण सुरक्षित हैं — ठीक वही क्षेत्र जिसके बारे में मार्क्स ने चेतावनी दी थी।

कानूनी परिणाम: अपराध, दायित्व, और सहभागिता

ऐतिहासिक इरादे से वर्तमान योजनाओं तक कारणात्मक श्रृंखला का पता लगाने से कई कानूनी निषेध और सकारात्मक कर्तव्य सामने आते हैं:

निषिद्ध कृत्य और अंतरराष्ट्रीय अपराध

- जबरन स्थानांतरण → युद्ध अपराध और संभावित रूप से मानवता के खिलाफ अपराध।
- उपनिवेशी स्थानांतरण / कब्जा → चौथे जिनेवा कन्वेशन के अनुच्छेद 49(6) और प्रथागत कानून का उल्लंघन।
- लूट / संसाधनों का शोषण → युद्ध अपराध और गैरकानूनी विनियोग।
- नरसंहार कृत्य या इरादा → नरसंहार कन्वेशन और रोम संविधान के तहत; आईसीजे के अस्थायी उपायों (जनवरी 2024) ने नरसंहार के विश्वसनीय जोखिम को पाया; बाद के सीओआई निष्कर्षों और एनजीओ आकलनों ने इस शब्द का स्पष्ट रूप से उपयोग किया है।

तृतीय-पक्ष राज्यों के कर्तव्य और सहभागिता

- रोकथाम का कर्तव्य** (नरसंहार कन्वेशन): एक बार जब कोई राज्य गंभीर जोखिम के बारे में जानता है, तो उसे नरसंहार को रोकने के लिए उपाय करने चाहिए; निष्क्रियता या भौतिक समर्थन सहभागिता का जोखिम उठाता है।
- गैर-मान्यता और गैर-सहायता** (आईसीजे की सलाहकार मार्गदर्शन): राज्यों को गंभीर अनिवार्य मानदंडों के उल्लंघन से उत्पन्न होने वाली अवैध स्थितियों को मान्यता नहीं देनी चाहिए या सहायता नहीं करनी चाहिए।
- कॉर्पोरेट और वित्तीय दायित्व**: फंडर्स और ठेकेदारों को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ढांचे के तहत उल्लंघनों में सहायता करने के लिए गंभीर प्रतिष्ठा, नियामक, और संभावित कानूनी जोखिम का सामना करना पड़ता है।

सार्वजनिक योजनाओं का साक्ष्य महत्व

- सार्वजनिक भाषण, फ्लायर, नीति मेमो, और नियोजन दस्तावेज़ बयानबाजी के इरादे को दस्तावेजी साक्ष्य में बदल देते हैं — जो न्यायिक या अर्ध-न्यायिक कार्यवाहियों (आईसीसी, आईसीजे, राष्ट्रीय अदालतों) में अत्यधिक प्रासंगिक हैं।

कारणात्मक पुनरावृत्ति: अतीत ने वर्तमान को कैसे संभव बनाया

- इरादा (नक्बा युग) ने विस्थापन के लिए एक वैचारिक और नीतिगत प्रक्षेपवक्र बनाया।
- संस्थागतकरण (1967 के बाद) ने विस्थापन को टिकाऊ बनाने के लिए प्रशासनिक और भौतिक तंत्र का निर्माण किया।
- आर्थिक गला घोटना (नाकाबंदी) ने अप्रयुक्त संपत्तियों (गैस, समुद्र तट) को संरक्षित किया जबकि समाज को कमजोर किया।
- ट्रिगर (अक्टूबर 2023) ने सामूहिक विनाश के लिए सार्वजनिक बहाना और परिचालन कवर प्रदान किया।
- सार्वजनिक बाजारीकरण (2024-2025) ने परिणामों को निवेशक रणनीति में बदल दिया, पूंजी को विस्थापन के साथ संरेखित करते हुए।

यह कारणात्मक श्रृंखला आकस्मिक कूरता को नहीं, बल्कि एक जानबूझकर नियोजित राजनीतिक-आर्थिक कार्यक्रम को दर्शाती है।

निष्कर्ष: अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने विकल्प

मामला अब तीन स्तरों पर स्पष्ट है:

- ऐतिहासिक:** विस्थापन की गहरी जड़ें हैं और इसे अभिजनों द्वारा बार-बार व्यक्त किया गया है।
- राजनीतिक-आर्थिक:** गाजा के समुद्र तट और गैस को मुद्रीकृत करने की प्रेरणा हिंसक सफाई के लिए प्रेरणा बनाती है।
- कानूनी:** शामिल कार्य और योजनाएं निषिद्ध हैं; राज्यों को रोकने, जांच करने, दंडित करने, और सहभागिता को रोकने का कर्तव्य है।

मार्क्स की अंतर्दृष्टि कि पूंजी “अशांति और संघर्ष को प्रोत्साहित करेगी” जब यह असाधारण लाभ की उम्मीद करती है, यहां रूपकात्मक नहीं है — यह प्रोत्साहनों के बारे में एक चेतावनी है। जहां वित्तीय रिटर्न विशाल हैं और कानूनी प्रवर्तन कमजोर है, वहां बाजार हिंसा का लाभ उठाने की कोशिश करेंगे। उपाय सरल है, हालांकि राजनीतिक रूप से कठिन: अंतरराष्ट्रीय

कानून को लागू करें, इस परियोजना को संभव बनाने वाले वित्तपोषण और बीमा को रोकें, आपराधिक जवाबदेही को आगे बढ़ाएं, और नरसंहार कन्वेशन के रोकथाम के कर्तव्य को बनाए रखें।

संदर्भ

- बेन-गुरियन, डेविड। अपने बेटे को पत्र, 5 अक्टूबर 1937।
- वीट्ज़, योसेन। डायरी, 20 दिसंबर 1940, यहूदी राष्ट्रीय कोष।
- बेन-गुरियन, डेविड। नकबा के दौरान भाषण, 1948।
- लिकुड पार्टी फ्लायर, “गाजा में बस्ती की तैयारी,” अक्टूबर 2024।
- बेजालेल स्मोटरिच, वित्त मंत्री, तेल अवीव रियल एस्टेट सम्मेलन में बयान, 17 सितंबर 2025।
- इतमार बेन-गवीर, “गाजा में बसने” सम्मेलन में बयान, अक्टूबर 2024।
- डेनिएला वीज़, नहाला उपनिवेशी समूह की टिप्पणियां, 2024-25।
- डोनाल्ड ट्रम्प, नेतन्याहू के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस, 4 फरवरी 2025; फॉक्स न्यूज़ साक्षात्कार, 10 फरवरी 2025।
- जारेड कुशनर, हार्वर्ड इवेंट, फरवरी 2024; मीडिया में पुनरुत्थान, फरवरी 2025।
- अमेरिकी-इजरायली संयुक्त योजनाएं, वाशिंगटन पोस्ट रिपोर्ट, 31 अगस्त 2025; ट्रम्प प्रशासन दस्तावेज, 1 सितंबर 2025।
- नरसंहार अपराध की रोकथाम और सजा पर कन्वेशन, 1948।
- चौथा जिनेवा कन्वेशन, 1949।
- संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, 1945।
- अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय का रोम संविधान, 1998।
- आईसीजे, कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में दीवार निर्माण के कानूनी परिणाम, सलाहकार राय, 2004।
- आईसीजे, नरसंहार कन्वेशन का अनुप्रयोग (बोस्निया बनाम सर्बिया), निर्णय, 2007।
- आईसीजे, नरसंहार कन्वेशन का अनुप्रयोग (दक्षिण अफ्रीका बनाम इजरायल), अस्थायी उपाय, जनवरी 2024।